श्री खाटू श्यामजी की आरती

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे ।
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

रतन जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर ढुरे ।
तन केसरिया बागो, कुण्डल श्रवण पड़े ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे ।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

मोदक खीर चूरमा, सुवरण थाल भरे ।
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

झांझ कटोरा और घड़ियावल, शंख मृदंग धुरे ।
भक्त आरती गावे, जय-जयकार करे ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

जो ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे ।
सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

'श्री श्याम बिहारीजी' की आरती, जो कोई नर गावे ।
कहत 'आलूसिंह' स्वामी, मनवांछित फल पावे ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

तन मन धन सब कुछ है तेरा, हो बाबा सब कुछ है तेरा ।
तेरा तुझको अर्पण, क्या लोग मेरा ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥

जय श्री श्याम हरे, बाबा जी श्री श्याम हरे ।
निज भक्तों के तुमने, पूरण काज करे ॥
ॐ जय श्री श्याम हरे ॥